ये अव्यक्त इशारे

# सदा हर्षित रहने के लिए अपनी नेचर को सरल बनाओ, सहनशील बनो

**23-06-2026**

जो जैसे कर्म करता है वैसा उनका नाम भी पड़ता है। कर्म यदि श्रेष्ठ हैं तो नाम पड़ेगा श्रेष्ठमणी। श्रष्ठे मणी बनने के लिए मन, वाणी, कर्म में सरलता और सहनशीलता यह दोनों गुण आवश्यक हैं। अगर सरलता है सहनशीलता नहीं तो भी श्रेष्ठ नहीं इसलिए सरलता और सहनशीलता दोनों साथ-साथ चाहिए।

## To remain constantly cheerful, be easy-natured and tolerant.

**A person is given a title according to the actions he performs. If your actions are elevated, you will be given the title of an elevated jewel. In order to become an elevated jewel, both virtues of simplicity and tolerance are needed in your thoughts, words and actions. If there is simplicity but not tolerance, then too, you cannot be said to be elevated. Therefore, as well as having simplicity, also be tolerant.**